RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 04 SEPTEMBER TO 10 SEPTEMBER 2019 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 05 ■ अंक 2 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

सरकार ने तेल आयात बिल में कमी लाने के लिये एथनॉल के दाम बढ़ाये

Page 2

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक संभव, फ्लिपकार्ट, ऐमजॉन के सामने रिपैकेजिंग की बड़ी चुनौती

Page 3

सऊदी अरब से भारतीय चावल निर्यातकों को 4 महीने की राहत

Page 5

editoria!

सुस्ती और सबक

वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की आर्थिक विकास दर घटकर 5 फीसदी हो गई है, जो साढ़े छह वर्षों का निचला स्तर है। बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान विकास दर 8 प्रतिशत थी, वहीं पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में यह दर 5.8 प्रतिशत थी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पिछले वित्त वर्ष की 12.1 फीसदी की तुलना में महज 0.6 फीसदी की दर से आगे बढ़ सका है जबकि ऐग्रिकल्चर और फिशिंग सेक्टर पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 5.1 फीसदी की तुलना में 2 फीसदी की दर से आगे बढ़े हैं। देश की अर्थव्यवस्था की गति पिछले तीन सालों से धीमी हो रही है। हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी जरूर है पर हालात चिंताजनक नहीं हैं। हमारी इकॉनमी में सबसे बड़ा संकट 1991 में आया था, जब आयात के लिए देश का विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 28 अरब डॉलर रह गया था। आज यह राशि 491 अरब डॉलर है। साल 2008-09 में जब वैश्विक मंदी आई थी तब भारतीय अर्थव्यवस्था 3.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी जो उसके पहले के वर्षों की तुलना में कम तो थी लेकिन भारत उस समय भी मंदी का शिकार नहीं हुआ था। वर्तमान स्थिति को भी मंदी नहीं कहा जा सकता। धीमे विकास का कारण दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में आई सुस्ती है। भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ अच्छी बात है कि इसके फंडामेंटल्स मजबूत हैं। इसलिए इस बात की पूरी गुंजाइश है कि अगली तिमाहियों में रिकवरी हो जाए। वित्त मंत्री ने बीते हफ्ते कई कदमों की घोषणा की है जिसका सकारात्मक असर आने वाले समय में देखने को मिलेगा। निश्चय ही उनसे निवेशकों और ग्राहकों का मनोबल बढ़ेगा। जल्दी ही त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है जिससे मांग में इजाफा होने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से मॉनसून मेहरबान रहा है जिससे कृषि क्षेत्र में सुधार की पूरी आशा है। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर का असर भारत पर भी पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल में संकेत दिए हैं कि चीन के साथ बातचीत फिर शुरू हो सकती है। ट्रेड वॉर खत्म होने या उसमें नरमी आने से भारत को फायदा हो सकता है। बहरहाल, अर्थव्यवस्था की सुस्ती सरकार के लिए एक सबक है। उसे एक-एक सेक्टर को सामने रख स्थिति का आकलन करना चाहिए। कई क्षेत्रों को मामूली राहत देने से भी बात बन सकती है। जैसे निर्माण क्षेत्र में कई कार्य अधूरे पड़े हैं। कई परियोजनाएं अंतिम चरण में आकर ठिठक गई हैं। कहीं तकनीकी अड़चने हैं तो कहीं कानूनी। उन बाधाओं को दूर कर दिया जाए तो उनमें फिर से सक्रियता आ सकती है और कई लोगों को रोजगार मिल सकता है। अगर सरकार ने सही ढंग से कदम उठाए तो अर्थव्यवस्था में दिख रही यह सुस्ती जल्दी ही दूर हो सकती है।

कच्चा तेल हुआ 13 प्रतिशत तक सस्ता

नयी दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल स्लोडन (Global Slowdown) के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल (Crude Price) के दाम लगातार गिर रहे है। पिछले दो महीने में ब्रेंट क्रूड (Brent Crude) की कीमतें 13 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई है। वहीं, घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीज़ल (Petrol Diesel Price) की कीमतों में इसका खास असर नहीं दिख रहा है। इस पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि क्रूड तो सस्ता हो रहा है, लेकिन अमेरिकी डॉलर (US Dollar) के मुकाबले रुपया (Indian Rupee) गिर रहा है। जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल खरीदना सस्ता हुआ है। लेकिन रुपये के गिरने से भारत में इसका इंपोर्ट महंगा हो गया है। आपको बता दें कि पिछले दो महीने में डीज़ल की कीमतें 1.24 रुपये प्रति लीटर तक कम हो गई हैं। जबकि, पेट्रोल के दाम 0.89 रुपये तक घटे हैं। भारत सालाना तकरीबन 20 करोड़ टन कच्चा तेल खरीदता है।

क्यों सस्ता हो रहा है कच्चा तेल

जानकारों ने बताया है कि क्रूड कीमतों में गिरावट की मुख्य वजह डिमांड में कमी और सप्लाई का बढ़ना है। ग्लोबल स्लोडाउन के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल सस्ता हो रहा है. साथ ही, वर्ल्ड बैंक समेत कई बड़ी एजेंसियों ने ग्लोबल ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। इससे उसकी कीमतों पर दबाव पड़ा है।

कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने के लिए सरकार की नई योजना- केंद्र की मोदी सरकार ने मंगलवार को बड़ा फैसला लेते हुए इथेनॉल की सप्लाई बढ़ाने को मंजूरी दे दी है.। नए फैसले के तहत सरकारी तेल कंपनियां (HPCL, BPCL, IOC) अब चीनी से बनाए गए इथेनॉल की खरीदारी भी कर सकेंगी। सरकार को उम्मीद है कि इथेनॉल की खरीद बढ़ाकर वह इस वर्ष तेल आयात बिल में एक फीसद की कमी कर सकेगी?

कैसे तय होते हैं पेट्रोल-डीज़ल के दाम- जिस कीमत पर हम पेट्रोल पंप से पेट्रोल खरीदते हैं उसका करीब 48 फीसदी बेस प्राइस यानी आधार मूल्य होता है। इसके बाद बेस मूल्य पर करीब 35 फीसदी एक्साइज ड्यूटी, 15 फीसदी सेल्स टैक्स और दो फीसदी कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है।

क्या है ईंधन का बेस प्राइस? तेल के बेस प्राइस में कच्चे तेल की कीमत, प्रोसेसिंग चार्ज और कच्चे तेल को रीफाइन करने वाली रिफाइनरियों का चार्ज शामिल होता है।

विदेशी पासपोर्ट धारक भारतीयों ने देश में शुरू किया निवेशक मंच

नयी दिल्ली। एजेंसी

स्मार्ट समूह और सिंगापुर के स्पाइस ग्लोबल के चेयरमैन बी. के. मोदी ने मंगलवार को विदेशी पासपोर्ट धारक भारतीयों (ओसीआई) का एक निवेशक मंच शुरू करने की घोषणा की। इस मंच ने देश में 100 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता जतायी है। इसका मुख्य ध्यान देश के विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में ओसीआई द्वारा वैश्विक आर्थिक निवेश पर होगा। मोदी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ओसीआई (ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया) निवेशक मंच के पास देश की आर्थिक वृद्धि दर में मौजूदा स्तर के मुकाबले 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की क्षमता है। इस दिशा में वह पहला बड़ा निवेश कश्मीर में कई परियोजनाओं पर करने जा रहा है। मोदी ने कहा कि अपनी पहली परियोजनाओं में ओसीआई निवेशक मंच कश्मीर में 100 वैश्विक वेलनेस होटल खोले जाने की परियोजना पर काम कर रहा है। इस संबंध में मंच मई में दिल्ली और जून में श्रीनगर में वहां के जमीन मालिकों से बातचीत करने की पहल कर चुका है। ऐसा उसने केंद्र सरकार द्वारा अगस्त में संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को हटाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने की घोषणा से पहले किया।

मोदी ने मंच के माध्यम से ओसीआई के देश में रहने की समयसीमा को 180 दिन से बढ़ाकर 270 दिन किए जाने की भी वकालत की। साथ ही सरकार से देश में उनके हितों, निवेश इत्यादि की सुरक्षा के उपाय करने के लिए नीति लाने का भी आग्रह किया। मंच ने कहा, " ओसीआई अपने देश में कानून के प्रति जवाबदेह होते हैं। ऐसे में उन्हें आयकर, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इत्यादि की जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।"

चांदी 7 साल बाद 50 हजार के पार, सोना 1 दिन में 1 हजार रुपये महंगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

सोना-चांदी के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को चांदी के दाम प्रति किलो 50 हजार रुपये से ज्यादा पहुंच गए। सोना भी एक हजार की उछाल के साथ 40, 600 रुपये के दस ग्राम की कीमत पर आ खड़ा हुआ। बुलियन विशेषज्ञ राहुल गुप्ता कहते हैं कि मंदी के दौर में निवेशकों का ध्यान इन दोनों धातुओं की तरफ बढ़ने से सोना और चांदी के दामों में उछाल आया है।

मंगलवार को चांदी के एक किलो के दाम 50, 500 रुपये तक पहुंच गए। चौक सर्राफा कारोबारी विशाल गुप्ता ने बताया कि चांदी के एक किलो के दाम 50 हजार रुपये अप्रैल 2013 में थे। इसके बाद चांदी के दाम में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि चांदी दाम गिरते हुए 38 हजार रुपये प्रतिकिलो तक आ गए थे। लेकिन इस बार के बजट में ढाई फीसदी आयात शुल्क की बढ़ोत्तरी का असर सोना-चांदी की दामों पर दिख रही है। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई 2019 को चांदी उछलकर 41 हजार रुपये प्रतिकिलो का आंकड़ा पार करके आगे बढ़ गई। इसके बाद लगातार चांदी के दाम बढ़ते ही गए।

एक दिन में एक हजार रुपये बढ़े सोने के भाव

सोने की कीमत में सोमवार-मंगलवार के बीच लगभग एक हजार रुपये दस ग्राम पर बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार की शाम तक दस ग्राम सोना की कीमत 40 हजार 600 रुपये तक पहुंच गई। एक हफ्ते पहले भी सोना 40 हजार की कीमत पार कर चुका है। लेकिन फिर इसमें लगभग एक हजार रुपये तक की गिरावट दर्ज की गई थी।

सरकार ने तेल आयात बिल में कमी लाने के लिये एथनॉल के दाम बढ़ाये

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सरकार ने मंगलवार को पेट्रोल में मिलाने के लिये खरीदे जाने वाले गन्ने से बने एथनॉल के दाम में 1.84 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की घोषणा की। सरकार ने तेल आयात बिल में सालाना एक अरब डॉलर की कमी लाने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत वाहन ईंधन में एथनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में यह निर्णय किया गया। बैठक के बाद पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल में मिश्रण के लिये चीनी मिलों से एथनॉल बढ़ी हुई दरों पर खरीदेंगी। ये दरें एक दिसंबर से शुरू हो रहे एथनॉल वर्ष से लागू होंगी। सी श्रेणी के सीरे (चीनी की न्यूनतम मात्रा वाला सीरा) से निकलने वाले एथनॉल का दाम 29 पैसे बढ़ाकर 43.75 रुपये प्रति लीटर और बी श्रेणी के सीरे से निकलने वाले एथनॉल का भाव 1.84 रुपये बढ़ाकर 54.27 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। सरकार ने कहा है कि एथनॉल के बढ़े हुये दाम आने वाले चीनी सत्र 2019- 20 के लिये होंगे

और ये दाम एक दिसंबर 2019 से 30 नवंबर 2020 तक लागू रहेंगे। एथनॉल सीरे का उप-उत्पाद है। यह गन्ने की पेराई से बनता है। ऊंची कीमत से चीनी मिल चीनी के अलावा एथनॉल उत्पादन के लिये प्रोत्साहित होंगी। गन्ने से एथनॉल का उत्पादन तीन तरीकों से किया जाता है। सीधे गन्ने के रस से, बी और सी स्तर के सीरे से। प्रधान ने कहा कि एथनॉल की खरीद दिसंबर-नवंबर 2019-20 में बढ़ कर 260 करोड़ लीटर रहने का अनुमान है। पिछले वर्ष यह मात्रा 200 करोड़ लीटर थी। उन्होंने कहा,''पेट्रोल में एथनॉल का मिश्रण बढ़ने से सालाना 20 लाख टन तेल की बचत होगी। इससे आयात बिल में एक अरब डॉलर की बचत में मदद मिल सकती है।'' प्रधान ने कहा कि पेट्रोल में एथनाल का मिश्रण अगले साल 7 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। अभी यह 6 प्रतिशत है। 2021-22 तक इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा। इससे पहले एथनॉल के दाम में पिछले साल सितंबर में संशोधन किया था। उस समय मंत्रिमंडल ने गन्ने के रस से बने एथनॉल के दाम में 25 प्रतिशत की वृद्धि कर 59.13 रुपये लीटर किया गया था। अब इसे बढ़ाकर 59.48 रुपये लीटर किया गया है। इस बारे में भारतीय चीनी मिल संघ (आईएसएमए) के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा कि सरकार का एथेनॉल के दाम में वृद्धि का निर्णय...अतिरिक्त गन्ने / चीनी को एथेनॉल बनाने में उपयोग को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत या आंशिक गन्ना रस के से बने एथनॉल के उच्च दाम की पेशकश इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण का अनुपात मौजूदा 6 प्रतिशत की तुलना में और बढ़ेगा।

एच-एनर्जी, रूस की नोवाटेक ने भारत में एलएनजी बेचने के लिए संयुक्त उद्यम का गठन किया

व्लादिवोस्तोक। एजेंसी

भारत के एच-एनर्जी ग्लोबल लिमिटेड और रूस के नोवाटेक ने भारत और अन्य बाजारों में द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के लिए बुधवार को एक करार किया। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी तास की खबर के मुताबिक पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) के इतर करार से जुड़े दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता के लिए यहां पहुंचने के कुछ घंटों बाद ही इस सौदे की घोषणा की गयी। मोदी बृहस्पतिवार को ईईएफ के मुख्य अतिथि होंगे। तास की खबर के मुताबिक समझौते के तहत नोवाटेक भारत, बांग्लादेश एवं अन्य बाजारों में एलएनजी की बिक्री के लिए भविष्य के एलएनजी टर्मिनल और संयुक्त उद्यम के गठन में निवेश करेगी।

ओवीएल, भागीदार खरीदेंगे रूस की वैन्कॉर तेल परियोजना में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री इसी सप्ताह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ वार्षिक शिखर बैठक के दौरान ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) की अगुवाई में भारतीय तेल कंपनियों का एक गठजोड़ वहां तेल/गैस परियोजना में निवेश के बारे में एक शुरुआती करार पर दस्तखत कर सकता है। भारतीय कंपनियों का यह गठजोड़ रूस के वैन्कॉर क्लस्टर तेल क्षेत्र में करीब 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। प्रधानमंत्री की रूस की यात्रा के सिलसिले में पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पिछले सप्ताह मॉस्को गए थे। मोदी चार से छह सितंबर के बीच व्लादिवोस्तक में पूर्वी आर्थिक

मंच में मुख्य अतिथि होंगे। वह रूस के राष्ट्रपति के साथ सालाना शिखर बैठक में भी भाग लेंगे। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मोदी की इस यात्रा के दौरान कई करार पर दस्तखत हो सकते हैं। इनमें तेल एवं गैस क्षेत्र में सहयोग का करार भी शामिल है। सहयोग के इस करार में भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा वैन्कॉर क्लस्टर तेल क्षेत्र में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण भी शामिल होगा। भारतीय कंपनियां 2017 से रूसी कंपनियों के साथ तेल क्षेत्रों मे संभावित हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रही हैं जिससे वे ऊर्जा संपन्न आर्कटिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर सकें। बातचीत के बीच में रोसनेफ्ट ने पांच और क्षेत्रों को तीन उन क्षेत्रों के साथ मिलाने की पेशकश की है जिनके लिए पहले से वार्ता हो रही है। ओएनजीसी की विदेश इकाई सामूहिक रूप से वैन्कॉर के नाम से प्रचलित क्लस्टर में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी ले सकती है। वहीं आयल इंडिया लि.और भारत पेट्रोलियम की इकाई भारत पेट्रोरिसोर्सेज इसमें शेष 23 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर सकती हैं।

वाहन उद्योग को पटरी पर लाने के लिए किए गए उपायों का जमीन पर असर दिखने में लगेगा समयः फाडा

नयी दिल्ली। वाहन उद्योग को पटरी पर लाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का जमीनी स्तर पर असर दिखने में भी अभी समय लगेगा। मोटर वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने मंगलवार को यह बात कही। संगठन ने कहा कि जीएसटी दर में कटौती पर असमंजस की वजह से ग्राहक फिलहाल वाहन खरीदना टाल रहे हैं। हालांकि , फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने कहा कि उसे इस त्योहारी मौसम में वाहनों की खुदरा बिक्री में स्थिर या मामूली वृद्धि की उम्मीद है। पिछले साल इस दौरान बिक्री में गिरावट आई थी। फाडा के अध्यक्ष आशीष हर्षराज काले ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'जमीनी स्तर पर , मैं अभी यह नहीं कह सकता कि बहुत बदलाव देखा गया। लोग वाहनों के बारे में जानकारियां ले रहे हैं लेकिन खरीदने के फैसले को अभी टाल रहे हैं।' सरकार की ओर से हाल ही में किए गए उपायों पर उन्होंने कहा कि अभी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगा। हाल ही में उपाय किए गए हैं और जमीन पर और आंकड़ों में इनका वास्तविक असर दिखाने में समय लगेगा। काले ने कहा कि वाहनों के लिए जीएसटी दरों में कटौती को लेकर असमंजस से भी बिक्री पर असर पड़ रहा है। खरीदार वाहन खरीद को फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जीएसटी में कटौती होती है तो बिक्री तेजी से बढ़ेगी ...अगर ऐसा नहीं होता है तो दरों को लेकर हमें स्पष्ट किए जाने की जरूरत है। काले ने कहा कि हाल ही में कुछ खबरों में सामने आया है कि सरकार ने जीएसटी परिषद से दरों में कटौती की सिफारिश की है, जिससे ग्राहक भ्रमित हो रहे हैं और खरीदी को टाल रहे हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक संभव

फ्लिपकार्ट, ऐमजॉन के सामने रिपैकेजिंग की बड़ी चुनौती

बेंगलुरु। एजेंसी

केंद्र सरकार सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर आगामी दो अक्टूबर से रोक लगा सकती है। केंद्र के इस फैसले को लेकर फ्लिपकार्ट, ऐमजॉन तथा बिग-बास्केट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों की नींद उड़ गई है। इन कंपनियों को जल्द सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प तलाश करना होगा।सरकार उन तरीकों के बारे में भी विचार कर रही है, जिनमें ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने कचरे को खुद रिसाइकिल करना होगा। इसके कारण इन कंपनियों को जल्द ही वैकल्पिक पैकेजिंग मैटेरियल्स लाने को मजबूर होना पड़ेगा।

वैकल्पिक पैकेजिंग की तरफ बढ़ना होगा

केंद्रीय पर्यावरण सचिव सी. के. मिश्रा ने कहा, 'इस तरह कचरे वे (ई-कॉमर्स कंपनियां) पैदा कर रही हैं, इसलिए इनके रिसाइकिल का जिम्मा उन्हीं के ऊपर डालना होगा।' हालांकि, उन्होंने इस बात की पुष्टि नहीं की कि क्या सरकार सचमुच में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पाबंदी लगाने जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'पूरा मामला कचरे को कम करने से जुड़ा है और इसलिए उन्हें धीरे-धीरे वैकल्पिक पैकेजिंग की तरफ आगे बढ़ना होगा।'

फ्लिपकार्ट का ईपीआर पॉलिसी पर जोर

बीते गुरुवार को वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली कंपनी फ्लिपकार्ट ने कहा कि उसने सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पहले ही 25 फीसदी तक कम कर दिया है और मार्च 2021 तक 100 फीसदी रिसाइकिल प्लास्टिक इस्तेमाल करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने एक एक्सटेंडेड प्रॉड्यूसर रेस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) को अपनाने की बात कही है, जिसका मकसद पहले ही साल अपने द्वारा पैदा किए गए 30 फीसदी कचरे को इकट्ठा करना है। ईपीआर एक पॉलिसी है, जिसके तहत उत्पादों की बिक्री के बाद कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी प्रॉड्यूसर्स की होती है।

बेंगलुरु में बिग-बास्केट ने बंद किया सिंगल यूज प्लास्टिक

ऐमजॉन तथा बिग-बास्केट सहित कई अन्य ई-कॉमर्स कंपनियां भी सिंगल-यूज प्लास्टिक का

इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रही हैं। बिग-बास्केट ने बेंगलुरु में उत्पादों की पैकेजिंग में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया है। बेंगलुरु में इस तरह के प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लग गई है।

प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करना मकसद

फ्लिपकार्ट के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने पिछले सप्ताह बयान में कहा, 'सतत अर्थव्यवस्था का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने को लेकर हमारे द्वारा उठाए गए उल्लेखनीय कदमों में से एक सिंगल यूज प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विकल्प ढूंढना है। हमारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्लास्टिक के इस्तेमाल को बंद करना तथा रिसाइकिल और रिन्यूएबल मैटेरियल्स का इस्तेमाल है।' मिश्रा ने कहा कि महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों को उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने, कचरा इकट्ठा करने के लिए मैकेनिज्म सेट अप करने तथा सही तरीके से रिसाइक्लिंग सुनिश्चित करने की जरूरत होगी।

कैशबैक स्ट्रेटेजी

सिटिजन इंगेजमेंट प्लेटफॉर्म लोकल सर्किल्स ने अपने एक हालिया सर्वे में पाया है कि प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक जिम्मेदार बनाने में कैशबैक बढ़ी भूमिका निभा सकता है। लोकल सर्किल्स ने पाया है कि 10,000 से ज्यादा प्रतिभागियों पर किए गए सर्वे में यह पाया गया कि एक छोटे से कैशबैक के लिए 92 फीसदी उपभोक्ता ई-कॉमर्स पैकेजिंग प्लास्टिक को वापस करने के इच्छुक दिखे और 89 फीसदी लोग कार्डबोर्ड पैकेजिंग बॉक्सेज के लिए ऐसा करने के इच्छुक दिखे।

अशोक लेलैंड ने बड़े ट्रकों के लिये भारत चरण VI उत्सर्जन मानकों को पूरा किया

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली अशोक लेलैंड ने मंगलवार को कहा कि उसके सभी बड़े ट्रकों को उन्नत कर उन्हें भारत चरण ऋ उत्सर्जन मानकों के अनुरूप तैयार कर लिया गया है। नये मानक एक अप्रैल 2020 से अमल में आयेंगे।हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह मूल उपकरण बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी है जिसे भारत चरण VI उत्सर्जन मानकों को पूरा किया है। कंपनी के 16.2 टन और उससे अधिक वजन के सभी बड़े ट्रकों में इन मानकों को लागू कर दिया गया है।अशोक लेलैंड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी एन श्रवणन को आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया (एएआरएआई) से भारत चरण VI उत्सर्जन मानकों को लागू करने को लेकर प्रमाणपत्र मिला है। एआरएआई भारी उद्योग और लोक उपक्रम मंत्रालय से संबद्ध स्वायत्त निकाय है। यह सभी प्रकार के वाहनों के लिये प्रमाणन सेवा देता है।कंपनी के अनुसार हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) और डीजल तथा पेट्रोल से चलने वाले अन्य वाहनों के मामले में मानकों का जल्द अनुपालन किया जाएगा।

सीधे नकद हस्तांतरण सुविधा के लिए ईएसआईसी-एसबीआई के बीच समझौता

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नकद लाभ अंतरण (डीबीटी) सुविधा के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समझौता किया है, ताकि वह अपने सभी भागीदारों को सीधे उनके बैंक खाते में भुगतान कर सके।ईएसआईसी ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके अनुसार ईएसआईसी के सभी लाभार्थियों को एसबीआई सीधे उनके बैंक खाते में ई-भुगतान की सेवा देगी। यह एकीकृत और स्वचालिक प्रक्रिया होगी जिसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। बयान के अनुसार बैंक ई-भुगतान से ईएसआईसी के लाभार्थियों के साथ-साथ अन्य भुगतान पाने वालों को भी वास्तविक समय में फायदा पहुंचाएगा। यह समय की बचत और भुगतान में देरी को कम करेगा। इस सुविधा से ईएसआईसी के सभी हिस्सेदारों को लाभ होगा। समझौते पर हस्ताक्षर ईएसआईसी के महानिदेशक राजकुमार और स्टेट बैंक के उप-महा प्रबंधक सुनील वढेरा की उपस्थिति में हुआ।

आखिरी तारीख पर ITR फाइल करने में लोगों ने तोड़ दिया रेकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आयकर रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख यानी 31 अगस्त की समयसीमा निकल चुकी है। इस बार आखिरी तारीख पर रिटर्न भरने वालों ने भी रेकॉर्ड बना दिया है। दरअसल सीबीडीटी के आंकड़े के मुताबिक आखिरी दिन यानी 31 अगस्त को 49 लाख 29 हजार 121 लोगों ने ऑनलाइन ष्ठ्ठ फाइल किया। आयकर रिटर्न भरने की समय सीमा पहले 31 जुलाई निर्धारित की गई थी लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 31 अगस्त किया गयो। अगर किसी ने अभी तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरा है तो उसे जुर्माना देना होगा। इनकम टैक्स ऐक्ट में सेक्शन 234इ में इस बात का जिक्र है कि लेट फाइलिंग पर कितना जुर्माना देना होगा। 31 दिसंबर 2019 से पहले अगर ष्ठ्ठ फाइल किया जाता है तो जुर्माने की राशि पांच हजार रुपये होगी। हालांकि इसमें 5 लाख से कम इनकम वाले छोटे करदाताओं को छूट मिलती है और उनसे 1 हजार रुपये ही वसूले जा सकते हैं।

वैश्विक बाजार में इस्पात के भाव और नीचे आ सकते हैं: फिच सोल्यूशंस

नयी दिल्ली। एजेंसी

फिच सोल्यूशंस मैक्रो रिसर्च ने 2019 में इस्पात की वैश्विक कीमतों के बारे में अपने पहले अनुमान को और नरम कर दिया है। एजेंसी का मानना है कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ने से उत्साह में कमी का असर इस्पात की वैश्विक कीमतों पर पड़ सकता है। फिच सोल्यूशंस मैक्रो रिसर्च ने मंगलवार को कहा कि दीर्घकाल में कीमतें नरम होंगी और मांग कम होने तथा उत्पादन बढ़ने के साथ बुनियाद कमजोर होने से इसके गिरावट का दौर बने रहने की आशंका है। उसने एक बयान में कहा, ''हमने 2019 के लिये इस्पात की वैश्विक कीमतों को संशोधित करते हुए औसतन 650 डॉलर प्रति टन से कम कर 600 टन कर दिया है। अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के और नीचे जाने के जोखिम के बीच निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।'' बुनियाद के संदर्भ में बयान में कहा गया है कि चीन में मांग मजबूत बनी हुई है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र और निर्माण क्षेत्रों से अच्छी मांग है। इसका कारण लक्षित प्रोत्साहन उपाय हैं। पर इसके साथ इस्पात का उत्पादन भी बढ़ा है।

मजबूत वैश्विक संकेतों से कच्चातेल वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक बाजारों में तेजी लौटने के बीच सटोरियों के अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे बुधवार को वायदा कारोबार में कच्चा तेल की कीमत 0.95 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,920 रुपये प्रति बैरल हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सितंबर महीने में डिलीवरी वाला कच्चा तेल 37 रुपये यानी 0.95 प्रतिशत बढ़कर 3,920 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 19,091 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी व्यापक तौर पर वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के अनुरूप थी। इस बीच न्यूयॉर्क मर्केन्टाइल एक्सचेंज में वेस्ट टेक्सॉस इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.48 प्रतिशत बढ़कर 54.20 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट कच्चा तेल 0.38 प्रतिशत घटकर 58.48 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

सन् 2022 तक 100 शहरों में उपलब्ध कराई जाएगी सीजीएचएस सेवाएं

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) सेवाओं को 2022 तक 100 शहरों में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1954 में दिल्ली के गोल मार्केट से शुरू हुई सीजीएचएस सेवाएं 2014 तक केवल 25 शहरों तक पहुंचीं। हालांकि, राजग सरकार के पिछले पांच वर्षों में इस योजना के तहत सेवाओं को 71 शहरों तक विस्तारित किया गया है। दिल्ली के आर के पुरम इलाके के सेक्टर 13 में एक अत्याधुनिक सीजीएचएस भवन का उद्घाटन करने के बाद हर्षवर्धन ने कहा, ''प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में हमने जो प्रगति की है, उसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। हम स्वास्थ्य सेक्टर के हर क्षेत्र में तेज गति से सुधार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सीजीएचएस लाभार्थियों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना भी शुरू की, जो 75 वर्ष या इससे अधिक आयु के पेंशनभोगी हैं। हर्षवर्धन ने कहा, ''सीजीएचएस सेवाओं को 2022 तक 100 शहरों में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री भी सभी नागरिकों के लिए एक नया भारत बनाना चाहते हैं।''

भारत की वृद्धि दर में अब और गिरावट के आसार नहीं दिखते, तेजी धीरे-धीरे आएगी: यूबीएस

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्तीय कारोबार करने वाली कंपनी यूबीएस का अनुमान है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर नरमी के इस दौर में अपना निम्नतम स्तर जून में समाप्त तिमाही में देख चुकी है और अब इसमें यहां से सुधार की प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है और बाजार के अनुमानों से कम रह सकती है। देश की वित्तीय स्थिति पर कंपनी की ताजा रिपोर्ट यूबीएस इंडिया फाइनैंशल कंडीशंस इंडेक्स में कहा गया था कि वृद्धि दर में गिरावट संभवत: जून तिमाही में अपनी तलहटी को छू चुकी है। सर्वेक्षण पर आधारित इस रपट में कहा गया है भारत की धीमी आर्थिक वृद्धि से देश में मांग और पूंजीगत निवेश गिरा है तथा कंपनियों के निर्यात की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे वृद्धि दर में सुधार में कुछ लंबा समय लगेगा और आगे की वृद्धि दर बाजार के अनुमानों से कम रह सकती है। यूबीएस एबीडेंस लैब सर्वेक्षण में कंपनियों के 267 मुख्य कार्यकारियों और मुख्य वित्त अधिकारियों की राय ली गयी है। यह सर्वेक्षण जुलाई 2019 में किया गया। भारत की आर्थिक वृद्धि दर जून तिमाही में घट कर 5 फीसदी पर आ गई, यह छह साल की न्यूनतम दर है। सर्वेक्षण में 50 प्रतिशत कंपनी-अधिकारियों ने कहा कि अगले 12 महीने तक में वृद्धि ज्यादा से ज्यादा 10 प्रतिशत तक सीमित रहेगी जो 'मध्यम' कही जा सकती है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर धीरे-धीरे सुधरेगी : फिच

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश की आर्थिक वृद्धि दर जून तिमाही में छह साल के निचले स्तर पर जाने के बाद अब आने वाली तिमाहियों में धीरे-धीरे सुधरेगी। हालांकि यह पहले ही अपेक्षा कमजोर रह सकती है। फिच सॉल्यूशंस ने सोमवार को अपनी एक रपट में चालू वित्त वर्ष के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटा दिया है। पहले यह 6.8 प्रतिशत थी जिसे अब 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। देश की वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 2019-20 की पहली तिमाही में पांच प्रतिशत रही है। वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही जनवरी-मार्च में यह आंकड़ा 5.8 प्रतिशत था। इस तेज गिरावट की बड़ी वजह निजी उपभोग की वृद्धि दर गिरना है। रेटिंग एजेंसी फिच सॉल्युशंस ने देश की आर्थिक वृद्धि पर अपने बयान में कहा, ''फिच सॉल्युशंस में हमारा विश्वास है कि आर्थिक वृद्धि लगभग अपने निचले स्तर को छू चुकी है और आने वाली तिमाहियों में यह सुधरना शुरू होगी। हालांकि बाहरी क्षेत्र और निजी उपभोग पर जारी दबाव बना रह सकता है। अब हमें उम्मीद है कि यह सुधरकर पहले से कमजोर रह सकती है।'' इसमें कहा गया है कि राजकोषीय और मौद्रिक प्रोत्साहन, सुधारों के जारी रहने और अर्थव्यवस्था का बुनियादी ढांचा मजबूत होने से अर्थव्यवस्था में बढ़त को गति मिलेगी। फिच सॉल्युशंस ने कहा कि वह भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर अपने अनुमान को संशोधित कर रही है। वित्त वर्ष 2019-20 में यह 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो पहले 6.8 प्रतिशत था।

दुनियाभर में मंदी की आहट

ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बीते 10 साल के सबसे निचले स्तर पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की वार्षिक आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पिछले एक दशक के सबसे निचले स्तर पर आ गयी। बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जून में समाप्त वर्ष में ऑस्ट्रेलिया की जीडीपी वृद्धि दर महज 1.4 प्रतिशत पर रही। ऑस्ट्रेलिया एक जुलाई से अगले साल के 30 जून तक के समय को एक वित्त वर्ष मानता है। ऑस्ट्रेलियन ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल से जून तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि की रफ्तार महज 0.40 प्रतिशत रही। ऑस्ट्रेलिया करीब 28 साल से मंदी को टालने में कामयाब रहा है लेकिन बुधवार को जारी आंकड़ों से देश के आर्थिक परिदृश्य को लेकर चिंता की स्थिति पैदा हो गयी है। देश के केंद्रीय बैंक ने ग्राहकों की कमजोर खरीद धारणा के कारण मंगलवार को मुख्य ब्याज दर को घटाकर रिकॉर्ड एक प्रतिशत पर कर दिया। विश्लेषकों का मानना है कि बैंक अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती कर सकते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिशन इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि देश मंदी के इस दौर से बाहर निकलने में कामयाब रहेगा। स्थानीय रेडियो से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि हाल में कर दर में की गयी कटौती से चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था को नयी मजबूती मिलेगी।

एलएंडटी को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण का ठेका

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलएंडटी की निर्माण शाखा को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए ठेका मिला है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी के ठेके के मूल्य के बारे में नहीं बताया है लेकिन कहा कि यह 'बड़े ' ठेके के श्रेणी में आता है। इस तरह का ठेका 5,000 करोड़ से 7,000 करोड़ रुपये के बीच होता है। एलएंडटी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा , 'एलएंडटी की निर्माण शाखा के परिवहन आधारभूत संरचना और इमारत एवं कारखाना कारोबार को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईएपीएल) से नवी मुंबई में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की इंजीनियरिंग , खरीद एवं निर्माण का ठेका मिला है।' कंपनी ने कहा कि शुरू में यात्री टर्मिनल भवन की सालाना क्षमता 1 करोड़ यात्री की होगी। बाद में इसे बढ़ाकर दो करोड़ किया जाएगा।

एयर कंडीशनिंग कार्यक्रम के दूसरे चरण में 2 लाख एसी खरीदेगी ईईएसएल

कोलकाता। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की एनर्जी इफिसिएन्सी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) ने मंगलवार को कहा कि वह अगले साल मार्च तक ' उच्च दक्षता एयर कंडीशनिंग कार्यक्रम' के दूसरे चरण में दो लाख एसी खरीदेगी। ईईएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (तकनीक) एस . पी . गणनायक ने कहा कि फरवरी और मार्च तक खरीद 600 करोड़ रुपये पर पहुंच सकती है। गणनायक ने बताया हमारे पिछले अनुभवों को देखते हुए जब हम दो लाख इकाइयां खरीदेंगे तो मौजूदा बाजार स्तर पर हमें कीमत में 15 प्रतिशत की कमी की उम्मीद है। ' गणनायक एयर कंडीशनिंग कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा करने क लिए कोलकाता आए थे। ईईएसएल के पास कार्यक्रम के पहले चरण में 1.5 टन इनवर्टर एसी का 50,000 इकाइयों का स्टॉक था। पहले चरण में एसी की कीमत 41,300 रुपये (बिना इंस्टॉलेशन शुल्क) थी। गणनायक ने कहा , ' हमारे एसी बाजार में मौजूद 5 स्टार मॉडलों की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक ऊर्जा दक्ष और 15-20 प्रतिशत सस्ते हैं। कार्यक्रम का पहला चरण मेट्रो और बड़े शहरों तक समिति था। हमें कार्यक्रम शुरू करने के एक महीने के भीतर 13,000 इकाइयों का ऑर्डर मिला था। ' हालांकि , कीमतों में छूट के बावजूद परियोजना की सुस्त गति के लिए ग्राहकों तक पहुंच एक कारक है।

क्षमा और शांति का अमृतपर्व है सम्वत्सरी

जैन धर्म में पर्युषण पर्व का खास महत्व है। आठ दिन चलने वाले इस पर्व के अंतिम दिन को सम्वत्सरी पर्व के रूप में मनाया जाता है। अहिंसा और समता, आत्मा के सहज गुण हैं। आत्मा के समीप बैठकर आत्मिक गुणों की साधना करने, आत्मा की चैतन्य ऊर्जा को प्रकट करने का माध्यम है- सम्वत्सरी।

क्षमा का पर्व, मैत्री का पर्व, दिल से वैर-विरोध मिटा कर प्रेम, प्यार भाईचारा बढ़ाने का पर्व है सम्वत्सरी। सम्वत्सरी का सीधा सा अर्थ है साल, जिसे आम भाषा में संवत् कहते हैं। संवत् ही संवत्सरी है। संवत का सबसे पवित्र दिन, सबसे महत्वपूर्ण दिन सम्वत्सरी महापर्व है। आत्मशुद्धि की जो प्रक्रिया पर्युषण में अपनाई जाती है, उस प्रक्रिया को आज के दिन पूर्णता प्राप्त होती है।

ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि सम्वत्सरी के दिन यानी भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन प्रकृति में अहिंसा का और मनुष्य जीवन में करुणा का प्रवेश हुआ था। सभ्य-संस्कृति के प्रारंभ का दिन है यह। इस पर्व को साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका समस्त जैन लोग ज्ञान, ध्यान, त्याग और तप के साथ मनाते हैं। साल भर में की हुई गलतियों और भूलों की आलोचना करते हैं।

सम्वत्सरी तो साल में एक बार मनाई जाती है, पर क्षमा का भाव जीवन में हर पल रहना जरूरी है। सम्वत्सरी पर्व तो जैन लोग ही मनाते हैं, पर क्षमा प्राणी मात्र का धर्म है। क्षमा के बिना मन में शांति, परिवार में प्रेम, समाज में आपसी भाईचारा रह नहीं सकता। किसी से आपके प्रति या आपसे किसी के प्रति गलती हो गई है तो कब तक उसे अपने साथ बांधे रहेंगे।

मुक्त होने का एक ही तरीका है क्षमा। जब तक क्षमा का साथ नहीं होगा, मन अवसाद में और शरीर अस्पताल में रहेगा। पर्युषण पर्व आत्मा को निर्मलता और उत्कृष्टता की ओर ले जाने वाली यात्रा है। कर्मों को आत्मा तक आने से रोकना और पहले आ चुके कर्मों की निर्जरा करना इस यात्रा को संभव बनाने वाले दो कदम हैं।

कहा जाता है कि दो चीजें जितनी जल्दी हो सके, भूल जानी चाहिए। एक, जो हमने दूसरों के साथ भलाई की है, किसी की मदद की है, किसी का सहयोग किया है। नहीं भूलोगे तो अहंकार आएगा। मदद करने के बदले में मदद पाने की इच्छा का जन्म होगा। फिर मदद नहीं मिली तो क्रोध आएगा। अच्छाई से विश्वास हटेगा। संबंध खराब होंगे और जीवन दुखमय लगने लगेगा। और इसी कड़ी में दूसरी बात है कि किसी ने हमारे साथ बुराई की है, तो उसे भी भूल जाएं। जितना उस बात को याद रखेंगे, गांठ बढ़ती जाएगी। घाव बढ़ते जाएंगे, जितने बढ़ेंगे, उतनी ही पीड़ा बढ़ेगी। दूसरों के अवगुणों को क्षमा करेंगे, तो उनमें पश्चाताप की भावना स्वयं भीतर से उत्पन्न होगी। जैसे मां बच्चे की हजार गलतियां सह कर भी बच्चे को प्यार करती है, ऐसे ही क्षमावान व्यक्ति दूसरे को अपनी सहनशक्ति व क्षमा से जीत लेता है। हिंसा का बदला हिंसा से पशु भी ले लेते हैं, पर हिंसा के बदले अहिंसा के रास्ते पर चलने के लिए आत्मबल की जरूरत होती है। असली ताकत क्षमा करने में लगती है।

सम्वत्सरी पर्व (3 सितंबर) पर विशेष

साध्वी प्रेक्षाजी महाराज

मन, घर, परिवार, समाज सब बदला लेने के लिए प्रेरित करेंगे, पर आप कहें कि 'मैं क्षमा भाव रखूंगा।' अपनी गलती पर क्षमा मांगने से भी मुश्किल है क्षमा कर देना। अन्तर्मन से क्षमा करना, सच्चे भाव से क्षमा करना। 'क्षमा वीरस्य भूषणं' क्षमा मांगना और क्षमा करना, दोनों ही वीरों के काम हैं।

जिस तरह प्रतिदिन घर की सफाई की जाती है, उसी तरह आत्मा की सफाई रखना भी जरूरी होता है। बेहतर है कि हम दिन भर की गलतियों और भूलों की क्षमा आलोचना उसी दिन कर लें। जिस तरह त्योहार पर खास सफाई की जाती है, उसी तरह सम्वत्सरी के दिन आत्मा की खास शुद्धि करें। जाने-अनजाने हुई समस्त भूलों, पिछले समय से चले आ रहे वैर-भाव को कम करने की कोशिश करें। अपने अंतरतम की गहराई से न सिर्फ कुछ ही लोगों से, बल्कि प्राणी मात्र से क्षमा याचना करें।

क्षमा ही मन की शांति का मूल है। दान, पुण्य, सेवा, परोपकार, व्रत-उपवास सब कुछ क्षमा से ही सार्थक होता है। हम सभी में अपने जीवन को निर्मल और सुख-शांति से परिपूर्ण करने की शक्ति है। इसी आत्म-शक्ति का उपयोग करें, क्षमा की आराधना करते हुए सम्वत्सरी महापर्व मनाएं।

भक्ति

समर्पण है परमात्मा प्राप्ति का मार्ग

साधारण से असाधारण, मानव से महामानव, लघुता से प्रभुता, बिन्दु से सिन्धु, राई से पहाड़, नर से नारायण, महात्मा से परमात्मा, लघु से विराट की स्थिति को प्राप्त किया जा सकता है। इसका माध्यम है आध्यात्मिक समर्पण। समर्पण की विधा से व्यक्ति मनोनुकूल इच्छा की पूर्ति करने में समर्थ हो सकता है। लेकिन इसके लिए व्यक्ति के अंतःकरण में श्रद्धा, विश्वास का होना परम आवश्यक है। आप एक पतंग को ले लीजिए। जब पतंग स्वयं को पतंगबाज के हाथ में समर्पित कर देती है, तो उसका महत्व बढ़ जाता है। एक कागज का साधारण अंश, आकाश में ऊंची उड़ान भरने लगता है। यह करिश्मा पतंग के समर्पण के ऊपर ही आधारित है। पतंग पतंगबाज के ऊपर विश्वास करती है और उसके हाथ में स्वयं को समर्पित कर देती है। पतंगबाज उस पतंग को धागे से नत्थी करके अपनी कला-कौशल से उसे ऊंचे आकाश में पहुंचा देता है। अगर पतंग उड़ने से पहले धागे से नत्थी होने वाले अनुबंध को नकार देती, तो क्या वह आकाश में ऊंचा उड़ सकती थी? कभी नहीं।

बूंद जब आकाश से गिरती है तो नदी, तालाब, समुद्र में गिर कर अपने अस्तित्व को मिटा देती है और उसमें एकीकृत हो जाती है। वह स्वयं पर गर्व करती है कि अब मैं बूंद नहीं, नदी, तालाब और समुद्र हूं। बूंद की स्थिति में तुच्छता थी, पर नदी, तालाब, समुद्र में मिल जाने से उसकी तुच्छता समाप्त हो जाती है। वह व्यापक और विस्तृत हो जाती है। बूंद अपनी तुच्छता का त्याग नहीं करती, तो वह सिन्धु बनने की कल्पना कभी नहीं कर सकती थी। निम्नतर से उच्चतर, श्रेष्ठतर स्थिति को प्राप्त करने के लिए विराट का आश्रय श्रद्धा, विश्वास और समर्पण की विधा से लिया जाता है। तुच्छता की स्थिति में पड़े रहने का कारण व्यक्ति का हेय दृष्टिकोण और निम्न सोच है। महानता का गौरव प्राप्त करना श्रेष्ठतम सोच और उच्च दृष्टिकोण है। तुच्छता की स्थिति से ऊपर उठने के लिए बलिदान, वीरता के पथ का चयन करना पड़ता है। तुच्छता और महानता, मनुष्य की दोनों ही स्थितियां उसकी अपनी सोच से जुड़ी हैं।

मानव जीवन दुर्लभ है। दुर्लभ जीवन सहज प्राप्त होने के कारण व्यक्ति अपने आत्मिक-बोध के अभाव में महानता के पद को प्राप्त करने से वंचित रहता है। लेकिन जैसे ही उसके जीवन में योग्य मार्गदर्शक का मार्गदर्शन प्राप्त होता है, वह साधारण से असाधारण, नर से नारायण बनने के लिए आकुल-व्याकुल हो जाता है। अपना अस्तित्व मिटाकर समर्पण, श्रद्धा, विश्वास की विधा से जीवन को ऊंचा उठाने में समर्थ हो जाता है, परमात्मा की भक्ति से जुड़ कर परमात्मा के स्वरूप को प्राप्त कर लेता है। पतंग का पतंगबाज के प्रति, बूंद सिंधु के प्रति और बीज का भूमि के प्रति समर्पण, श्रद्धा व विश्वास उसे तुच्छता की स्थिति निकाल कर गौरव, श्रेय, पुण्य, सौभाग्य तथा सम्मान प्रदान करता है; ठीक उसी प्रकार, परमात्मा के प्रति किया गया श्रद्धा, विश्वासपूर्वक समर्पण भक्त को भगवान, नर को नारायण, आत्मा को परमात्मा की स्थिति प्रदान कर देता है।

मुकेष ऋषि

आस्था स्थली: खजराना गणेश मंदिर, इंदौर, मध्य प्रदेश

अनोखी मान्यता वाला मंदिर

मध्य प्रदेश के इंदौर में ऐतिहासिक मंदिरों की भरमार है। यहां शासन कर चुके होलकर राजवंश की रानी अहिल्या बाई होलकर देश भर में विभिन्न मंदिरों के निर्माण, रखरखाव व प्रश्रय के लिए विख्यात थीं। खजराना का गणेश मंदिर उन्हीं का बनवाया हुआ है।

मान्यता है कि औरंगजेब के शासनकाल में जब देश में कई मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, तो इस मंदिर में स्थापित गणपति की मूर्ति को एक कुएं में छुपा दिया गया था। बरसों बाद एक पंडित मंगल भट्ट को सपने में इस मूर्ति के होने का आभास हुआ। तब रानी अहिल्या बाई होलकर ने इसे निकलवाया और सन 1735 में इस जगह पर स्थापित कराया। यह धनी मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर में स्थापित श्री गणेश की मूर्ति की आंखें हीरे की हैं। गर्भगृह की दीवारें और छत चांदी से मढ़ी हुई हैं। मंदिर की गतिविधियों को भी ऑनलाइन देखा जा सकता है।

यहां भक्त गणेश जी की तीन बार परिक्रमा करके धागा बांध कर मन्नत मांगते हैं। मन्नत पूरी हो जाने पर गणेश जी की पीठ पर उल्टा स्वास्तिक बनाए जाने का रिवाज है। कोई भी नया काम हो, तो शहर के लोग पहला बुलावा इसी मंदिर के श्री गणेश के नाम भेजते हैं। शादी, संतान, नौकरी आदि के बाद यहां दर्शनों के लिए आते हैं। नवजात शिशु को तुला में तौल कर उसके वजन के बराबर लड्डुओं का प्रसाद बांटने की भी यहां परम्परा है। इस परिसर में और भी कई सारे मंदिर हैं। मंदिर परिसर में स्थित एक पीपल के पेड़ की भी बहुत मान्यता है। मंदिर के निकट ही नाहर सैयद की दरगाह है, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्हें यहां बिना सिर के दफनाया गया था। इस कारण से यहां काफी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी भी आते हैं। बुधवार और रविवार को मंदिर में काफी भीड़ रहती है। गणेश चतुर्थी से लेकर दस दिन तक चलने वाले गणपति पर्व के दिनों में मंदिर में काफी भक्त आते हैं। मंदिर परिसर चौबीसों घंटे खुला रहता है। सुबह-शाम यहां आरती होती है। रात 12 से सुबह 6 बजे तक गर्भगृह बंद रहता है। मंदिर परिसर में एक विशाल दीप-स्तंभ भी है, जिस पर विशेष अवसरों पर दीपक जला कर रखे जाते हैं।

कैसे पहुंचें: इंदौर देश के सभी प्रमुख नगरों से हवाई, रेल व सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। इंदौर रेलवे स्टेशन से इस मंदिर की दूरी मात्र पांच किलोमीटर है। शहर में टैक्सी व ऑटो-रिक्शा बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं।

दीपक दुआ

सऊदी अरब से भारतीय चावल निर्यातकों को 4 महीने की राहत

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय चावल निर्यातकों पर सऊदी अरब के कड़े नियम अब 31 दिसंबर से प्रभावी होंगे। इससे भारतीय चावल निर्यातकों को फौरी राहत मिल गई है। सऊदी फूड ऐंड ड्रग अथॉरिटी (SFDA) ने भारतीय निर्यातकों से मिनिमम रेजिड्यू लेवल्स (MRL) टेस्ट रिपोर्ट के साथ उसका पालन करने का सर्टिफिकेट देने की मांग की थी। ये नियम पहले 1 सितंबर से प्रभावी होने वाले थे, जिन्हें अब दिसंबर तक टाल दिया गया है।

सऊदी की फूड अथॉरिटी ने भारतीय निर्यातकों से बासमती चावल के किस्म की प्रामाणिकता के लिए डीएनए टेस्ट की भी मांग की है। उसने निर्यातकों को अथॉरिटी से मंजूरी प्राप्त गुड ऐग्रिकल्चर प्रैक्टिस (GAP)-सर्टिफाइड फार्म से ही चावल खरीदने को कहा है।

बासमती चावल SFDA के प्रस्तावित नियमों से बाहर

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स असोसिएशन के अध्यक्ष विजय सेतिया ने बताया, '31 दिसंबर 2019 तक सऊदी अरब पहुंचने वाले शिपमेंट में भारतीय बासमती चावल SFDA के प्रस्तावित नियमों से बाहर होगा।' उन्होंने कहा कि निर्यातक बासमती के मिश्रण

की क्वॉलिटी के हिसाब से लेबल लगाएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। सेतिया ने कहा, 'हमने एइॅ को भरोसा दिया है कि अगर खेप में 93 पर्सेंट या 85 पर्सेंट बासमती चावल है तो हम उसे उसी अनुसार लेबल करेंगे।'

सऊदी अरब बासमती चावल का प्रमुख खरीदार

सऊदी अरब भारतीय बासमती चावल का प्रमुख खरीदार है। भारत से सालाना 40-45 लाख टन बासमती का निर्यात होता है, जिसमें से 20 पर्सेंट हिस्सा सऊदी अरब जाता है। सेतिया ने बताया कि इंडियन अथॉरिटीज ने जिन चावल मिलों के पास BIS सर्टिफिकेशन, ISO 22000 और BRC स्टैंडर्ड्स हैं, उन्हें भी बासमती के निर्यात का इजाजत देने का प्रस्ताव रखा है। सऊदी अरब भारत से बासमती चावल के आयात पर हैजर्ड एनालिसिस ऐंड क्रिटिकल कंट्रोल प्वाइंट्स (HACCP) के मानदंडों को आधार बनाएगा। सेतिया ने बताया कि ऐग्रिकल्चर ऐंड फूड प्रॉडक्ट्स एक्सपोर्ट डिवेलपमेंट अथॉरिटी के निदेशक ए के गुप्ता की अगुआई में सरकार और कारोबारी प्रतिनिधियों ने सऊदी की फूड बॉडी से 29 अगस्त को चर्चा की थी। इसके बाद ही नियमों को लागू करने की तारीख 1 सितंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर की गई। उन्होंने कहा कि एमआरएल पर चर्चा अगले कुछ महीनों में होगी।

अमेरिकन चैंबर ऑफ कामर्स ने भारत, अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर दिया जोर

नयी दिल्ली। एजेंसी

हांगकांग स्थित अमेरिकन चैंबर ऑफ कामर्स ने भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जोर दिया है। उद्योग मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के विभिन्न ब्रांड के प्रतिनिधित्व के साथ निवेश अवसर की तलाश में फिलहाल भारत की यात्रा पर है। हांगकांग स्थित अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स (एएमसीएचएएम) की अध्यक्ष तारा जोसेफ ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार और निवेश अवसर बढ़ाने के लिहाज से दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता पासा पलटने वाला साबित होगा।तारा जोसेफ की अगुवाई में भारत की तीन दिन की यात्रा पर आये प्रतिनिधिमंडल में राल्फ लारेन एशिया पैसेफिक, पीवीएच फार ईस्ट, कार्टर ग्लोबल सोर्सिंग लि. और वीएफ एशिया सोर्सिंग शामिल हैं। पीवीएच फार ईस्ट के ब्रांड में कैलविन क्लेन, टॉमी हिलफाइजर, वैन ह्यूजेन, एरो और आईजोड शामिल हैं। वहीं कार्टनर इंक बच्चों के कपड़ों का अमेरिका में बड़ा ब्रांड है।प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी, कपड़ा सचिव रवि कपूर और नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत से मंगलवार को मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल की भारत में कपड़ा और परिधान क्षेत्र में खरीद बढ़ाने को लेकर करोड़ों डॉलर के निवेश पर नजर है। जोसेफ ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, "एक चीज साफ है कि अमेरिकी ब्रांड भारत आने की सोच रहे हैं, यह केवल कुछ लाख डॉलर के निवेश के लिये नहीं है। अगर बड़े ब्रांड आते हैं, वे 10 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश करेंगे और यह लंबे समय के लिये होगा।"वस्तुओं के व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार है। वर्ष 2008 में दोनों देशों के बीच वस्तु और सेवा व्यापार 68.4 अरब डॉलर का था जो 2018 में बढ़कर 142.1 अरब डॉलर हो गया।

विश्व यात्रा-पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत छह रैंक उछलकर 34वें स्थान पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत की रैंकिंग छह अंक सुधरकर 34 हो गयी है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बुधवार को जारी नवीनतम रपट में यह जानकारी सामने आयी है। वर्ष 2017 में यह रैंकिंग 40वें स्थान पर थी जो अब 34 हो गयी है। इसकी अहम वजह प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधन के मामले में भारत का समृद्ध होना और कीमत के लिहाज से बेहद प्रतिस्पर्धी होना है। रपट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया में यात्रा एवं पर्यटन की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का अधिकांश हिस्सा रखने वाला भारत इस उपमहाद्वीप में सबसे प्रतिस्पर्धी यात्रा-पर्यटन अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसकी रैंकिंग छह स्थान सुधरकर 34 हो गयी है। रपट के अनुसार चीन, मेक्सिको, मलेशिया, थाईलैंड, ब्राजील और भारत भले ही उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था न हों लेकिन सांस्कृति संसाधन एवं व्यापारिक यात्रा खंड में शीर्ष 35 देशों में शामिल हैं। इसकी प्रमुख वजह प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधन के मामले में इनका समृद्ध होना और कीमत के लिहाज से प्रतिस्पर्धी होना है। उप खंडों के लिहाज से बेहतर वातावरण खंड में भारत का 33वां, बुनियादी एवं बंदरगाह ढांचा में 28वां, अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता में 51वां, प्राकृतिक सौंदर्य में 14वां और सांस्कृतिक संसाधन खंड में आठवां स्थान है। वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 140 देश शामिल है। डब्ल्यूईएफ के इस सूचकांक में स्पेन शीर्ष पर रहा है। इसके बाद क्रमशः फ्रांस, जर्मनी, जापान और अमेरिका शीर्ष पांच में शामिल है। ब्रिटेन की रैंकिंग पांचवे स्थान से खिसककर छठे पर आ गयी है।

शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे मजबूत

मुंबई। एजेंसी

विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 19 पैसे मजबूत होकर 72.20 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट, वृहद आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के कारण रुपया 97 पैसे फिसलकर नौ माह के सबसे निचले स्तर 72.39 पर पहुंच गया था। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया 19 पैसे मजबूत होकर 72.20 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। हालांकि, भारतीय मुद्रा अपनी मजबूत बढ़त बरकरार नहीं रख सका एवं करीब दस बजे तीन पैसे फिसलकर 72.23 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया।विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में कमजोर पड़ने से घरेलू मुद्रा को मजबूती मिली। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों एवं विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के कारण रुपये की मजबूती सीमित रही। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत और रूस बाघ संरक्षण के लिए द्विपक्षीय बाघ मंच आयोजित करेंगे

व्लादिवोस्तोक। एजेंसी

भारत और रूस ने बुधवार को एक संयुक्त उच्च स्तरीय बाघ मंच आयोजित करने पर सहमति जतायी, जिसमें दोनों देशों द्वारा लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए नेतृत्व की भूमिका को स्वीकार किया गया है। रूस के व्लादिवोस्तोक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान यह निर्णय किया गया । विदेश सचिव वी के गोखले ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया, "दोनों नेता पर्यावरण और विशेष रूप से बाघ संरक्षण को बहुत अधिक महत्व देते हैं ।" उन्होंने बताया, "यह निर्णय किया गया है कि अगले साल भारत और रूस बाघ संरक्षण को बढावा देने के लिए एक द्विपक्षीय मंच का आयोजन करेंगे ।" रूस के राष्ट्रपति को साईबेरियाई बाघों के संरक्षण के लिए जाना जाता है । भारत में बाघों की संख्या 2019 में दोगुनी होकर 2967 हो गयी है। देश ने यह उपलब्धि इसके लिए निर्धारित समय सीमा से चार साल पहले ही हासिल कर ली गयी है । बाघ संरक्षण से संबंधित 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग घोषणापत्र में 2022 तक बाघों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया था । मोदी ने पुतिन को बताया कि भारत में पिछले एक दशक में बाघों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है । उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री इस बात से अवगत हैं कि साईबेरियाई बाघों के संरक्षण में रूस के राष्ट्रपति की खास रूचि है ।

100 Rs का नया नोट बाजार में देने वाला है दस्तक

इस खूबी की वजह से जल्द नहीं होंगे खराब

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक को हर साल अरबों रुपए कटे-फटे और गंदे नोटों बदलने पड़ते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में केन्द्रीय बैंक का भारी खर्च होता है। ऐसे में वार्निश नोटों के चलन में आने से रिजर्व बैंक को इस खर्च से भी राहत मिलने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक जल्द ही 100 रुपए का वार्निश करेंसी नोट बाजार में उतारने वाला है। बता दें कि वार्निश करेंसी नोटों की उम्र लंबी होती है और वह जल्दी गंदे भी नहीं होते हैं। हालांकि अभी रिजर्व बैंक 100 रुपए के वार्निश नोट ट्रायल के तौर पर जारी करेगा और सफल रहने पर इन्हें आगे भी जारी रखा जा सकता है। रिजर्व बैंक ने अपनी 2018-19 की सालाना रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है।अपनी सालाना रिपोर्ट में आरबीआई ने बताया है कि अन्तरराष्ट्रीय अनुभव बताता है कि वार्निश नोटों की उम्र लंबी होती है और ऐसे नोट जल्दी गंदे नहीं होते हैं। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक को हर साल अरबों रुपए कटे-फटे और गंदे नोटों बदलने पड़ते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में केन्द्रीय बैंक का भारी खर्च होता है। ऐसे में वार्निश

नोटों के चलन में आने से रिजर्व बैंक को इस खर्च से भी राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने 1 जुलाई, 2018 से लेकर 30 जून 2019 के बीच नोटों की छपाई की सिक्योरिटी पर 4,811 करोड़ रुपए खर्च किए। वहीं बीते साल यह खर्च 4,912 करोड़ रुपए था। इसके साथ ही रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि 10 और 100 रुपए के नोट कुल सर्कुलेशन के 47.2% हैं, जो कि बीते साल के 51.6% के मुकाबले कम है। अपनी रिपोर्ट में रिजर्व बैंक ने ये भी बताया है कि वह ऐसी तकनीक लाने वाले हैं, जिसकी मदद से दृष्टिबाधित लोग भी नोट की पहचान कर सकेंगे। आरबीआई के अनुसार, साल 2018-19 के दौरान बाजार में सर्कुलेट नोटों की कीमत और संख्या में 17 ₹ की बढ़ोत्तरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में मौजूदा वक्त में 10,875.9 करोड़ पीस नोट सर्कुलेशन में हैं, जिनकी कीमत 21.1 लाख करोड़ रुपए है। मार्च, 2018 तक बाजार में 500 और 2000 के करेंसी नोट का सर्कुलेशन 80.2% था, जो कि मार्च, 2019 को बढ़कर 82.2% हो गया है। वहीं 500 के नोट के चलन में भी इजाफा हुआ है और यह 42.9% से बढ़कर 51% हो गया है।

आरबीआई ने जारी की बैंकों की छुट्टी की लिस्ट

देखिए सितंबर माह में कब रहेंगे Bank Holiday

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपको इस बैंक में जरूरी काम हैं तो उन्हें तुरंत निपटा लें। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सितंबर महीने में बैंकों की छुट्टी (Bank Holiday) की लिस्ट जारी की है। इन छुट्टियों में अलग-अलग राज्यों में होने वाली छुट्टियों के साथ महीने का दूसरा और चौथा शनिवार भी शामिल हैं।

2 सितंबर : गणेश चतुर्थी के अवसर पर कई राज्यों में बैंक में कामकाज नहीं हुआ

3 सितंबर : नुआखाई और गणेश चतुर्थी का दूसरा दिन होने के कारण भुवनेश्वर और पणजी में बैंक बंद रहें

9 सितंबर : भुवनेश्वर और रांची में मोहर्रम और कर्मा पूजा के कारण बैंकों में काम नहीं होंगे।

10 सितंबर : मोहर्रम (ताजिया)/अशूरा/पहला ओनम के मौके पर अगरतला, ऐझॉल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, शिमला, श्रीगर और तिरुवनंतपुरम में बैंकों में छुट्टी रहेगी।

11 सितंबर : अहमदाबाद, कोच्चि और तिरुवनंतपुरम में मोहर्रम (अशूरा)/थिरुवोनम पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

13 सितंबर : इंद्राजात्रा/पंग-लाबसोल/श्री नारायण गुरु जयंती के अवसर पर गंगटोक, कोच्चि और तिरुअनंतपुरम में बैंकों में काम नहीं होंगे।

14 सितंबर : महीने का दूसरा शनिवार है। दूसरे शनिवार को बैंकों की छुट्टी रहती है।

21 सितंबर : श्री नारायण गुरु समाधि दिन की वजह से कोच्चि और तिरुअनंतपुरम में बैंक बंद रहेंगे।

28 सितंबर : बेंगलुरु और कोलकाता में महालाया अमावस्या के मौके पर बैंकों में छुट्टी रहेगी।

Reliance
POLYMERS
Indore Depo :
131-132, Industrial Area,
Sector-D, Sanwer Road, Indore
Gwalior Depo :
C/o Bhagwati Cools Pvt.Ltd.
37-B, Maharajpura Industrial
Area, Gwalior
Raipur Depo :
C/o, Sun & Sun Cold Storage Pvt.Ltd.
Godown No.2, Industrial Area,
Bilaspur Road, Bhanpuri, Raipur

distribution redefined
AVJ POLYMER INDIA LLP
DEALER : RELIANCE INDUSTRIES LTD. FOR MP & CG
133, Industrial Area, Sector-D,
Sanwer Road, Indore (M.P.)
Ph: +91 731 2973343
Email : avjpolymer@gmail.com Website : www.avjpolymer.com
Vikas Bangard Mob- 9179161616
Vishal Soni Mob- 9826700343
Ashish Jain Mob- 9425044944
Rakesh Biyani Mob- 9109195565

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।